तुलसीदास

- तुलसीदास ने रामचरित मानस की रचना की (संगीतमय)
- इनका जन्म मुगलकाल में हुआ
- रामायण - रचनाकार तुलसीदास अनेक भाषाओं में अनुवादित हो चुकी है।
- तुलसीदास का युग संगीत का स्वर्णकाल है
- " की गीति कृतियों 21 राग-रागिनियों का समावेश है
- कृष्ण गीतावली में - 10 राग हैं - आसावरी, कान्हड़ा, केदार, गौरी, धनाश्री, नट, बिलावल, मल्हार, ललित तथा सोरठ
- गीतावली में - 21 - रागों की चर्चा है
- " में इन्द्रकोप का आधार वर्षा वर्णन को कवि ने मल्हार राग में बांधा है
- प्रातः कालीन राग - बिलावल, बिभास, भैरव
- रात्रि के अंतिम प्रहर के राग - बसंत, ललित आदि
- विनय पत्रिका में उदाहरण मिलते हैं
- तुलसीदास ने 'मानस' की रचना की
- तुलसीदास ने जैसे वाद्यों का इन्हीं
- झालर, बीन, रबाब, मुँहचंग नगाड़ों से प्रयोग किया
- 'स्वर सारावली' जैसे ग्रन्थ में शास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों का उल्लेख मिलता है, 22 श्रुतियाँ, 21 मूर्छनाएँ,
- जैसे - अंग, नाद, ग्राम, सप्त स्वर आदि